vinetur

साइप्रस की वाइनरियां चौथी लगातार अंगूर-कमी वाली फसल का सामना कर रही हैं

सूखा, लू और डाउनी मिल्ड्यू ने अंगूर की मात्रा में भारी कटौती की है, जिससे प्रमुख उत्पादकों के पास जरूरत के लगभग 50% अंगूर ही बचे हैं।

सोमवार, 21 सितंबर 2026



कृषि अधिकारियों और वाइनरी कार्यकारियों के अनुसार, सूखे, बार-बार चली लू और डाउनी मिल्ड्यू के व्यापक प्रकोप के मिश्रण ने अंगूर की मात्रा घटा दी और प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में दाख की बारियों को नुकसान पहुँचाया है, जिसके चलते साइप्रस का वाइन क्षेत्र इस साल की फसल तुड़ाई में भारी दबाव के साथ प्रवेश कर रहा है।

कृषि विभाग द्वारा प्रस्तुत आँकड़े पिछले चार वर्षों में वाइनरियों में अंगूर की प्राप्ति में स्पष्ट गिरावट दिखाते हैं। विभाग की विटीकल्चर और एनोलॉजी शाखा के प्रमुख जॉर्जोस नियोफितू ने कहा कि 2016-2025 की अवधि में वाइनरियों को पहुँचाई गई औसत मात्रा 14.5 मिलियन किलो प्रति वर्ष रही। उन्होंने कहा कि उद्योग को सामान्यतः बाज़ार की माँग पूरी करने और भंडार को व्यावहारिक स्तर पर रखने के लिए सालाना 13 मिलियन से 16 मिलियन किलो की जरूरत होती है।

हाल के वर्षों में यह मानक बार-बार नहीं पूरा हुआ है। अंगूर की प्राप्ति 2023 में घटकर 10.2 मिलियन किलो रह गई, 2024 में मामूली बढ़कर 11.1 मिलियन किलो हुई, और 2025 में 12.3 मिलियन किलो तक पहुँची, फिर भी वह स्तर नहीं छू सकी जिसे क्षेत्र पर्याप्त मानता है। नियोफितू ने कहा कि मौजूदा फसल के अनुमान एक और कमजोर वर्ष की ओर इशारा करते हैं, और स्तर 2023 तथा 2024 में देखे गए स्तरों के करीब हैं।

यह गिरावट 2022 के बिल्कुल अलग साल के बाद आई है, जब उत्पादन 22 मिलियन किलो तक बढ़ गया था और अतिरिक्त आपूर्ति से निपटने के लिए राज्य को आपात सहायता देनी पड़ी थी। हालिया रुझान इसका उलटा रहा है। अब साइप्रस की वाइनरियों को अंगूर की सीमित प्राप्ति का लगातार चौथा वर्ष झेलना पड़ रहा है, और बड़े उत्पादक कह रहे हैं कि उन्हें उनकी वास्तविक जरूरत का 50% से अधिक नहीं मिल रहा।

देश की दो बड़ी वाइनरियों LOEL और KEO के कार्यकारियों ने पाफोस और लिमासोल के दाख-उत्पादन क्षेत्रों में स्थिति को विशेष रूप से गंभीर बताया, जहाँ डाउनी मिल्ड्यू और खराब मौसम ने कुछ स्थानों पर उत्पादन पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि कमी से उत्पादन लागत बढ़ रही है और अगर सहायता नहीं बढ़ाई गई तो कंपनियों को संचालन घटाने और नौकरियाँ कम करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

उद्योग में लंबे समय के निवेश के बावजूद यह दबाव बना हुआ है। नियोफितू ने कहा कि 1980 के दशक में साइप्रस में केवल चार प्रमुख वाइनरी थीं, जबकि आज लगभग 70 हैं। उन्होंने कहा कि साइप्रस की वाइन की गुणवत्ता अब व्यापक रूप से मान्य है। फिर भी पंजीकृत दाख-बागों का क्षेत्रफल 65,000 स्ट्रेम्मा है और साइप्रस के यूरोपीय संघ में शामिल होने के बाद से यह धीरे-धीरे घट रहा है।

स्थानीय बाज़ार उद्योग के अस्तित्व के लिए अब भी अहम है। नियोफितू ने कहा कि साइप्रस में बिकने वाली वाइन का 60% स्थानीय रूप से उत्पादित है, जो स्थिर घरेलू मांग और देशी किस्मों के प्रति उपभोक्ता प्राथमिकता को दर्शाता है। लेकिन मजबूत बाज़ार हिस्सेदारी ने उत्पादकों को ग्रामीण इलाकों की संरचनात्मक समस्याओं से नहीं बचाया है। अधिकारी और उत्पादक ग्रामीण आबादी के बुज़ुर्ग होने, विटीकल्चर में कम युवाओं के आने, शारीरिक रूप से कठिन काम, और अक्सर कम व अनिश्चित आय की ओर इशारा करते हैं।

कृषि, ग्रामीण विकास और पर्यावरण मंत्री कोस्टास कादिस ने कहा कि वाइन क्षेत्र के लिए सहायता सरकार की प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि 2027 तक लागू रहने वाली सामान्य कृषि नीति के उपायों के माध्यम से इस क्षेत्र के लिए लगभग €22 मिलियन आवंटित किए गए हैं।

सरकार इस वर्ष के नुकसान पर प्रतिक्रिया देने के लिए दो माध्यमों का उपयोग कर रही है। राष्ट्रीय राज्य सहायता ढांचे के तहत, उन फसलों को मुआवजा दिया जाएगा जिनमें उत्पादन हानि 50% से अधिक हुई है। 30% से अधिक नुकसान वाली अतिरिक्त किस्मों के लिए एक अलग de minimis योजना उपलब्ध है। कृषि विभाग ने पाफोस के 61 समुदायों को अंगूर की किस्मों Mavro, Xynisteri, Maratheftiko और Vasilissa के लिए राष्ट्रीय ढांचे के अंतर्गत रखा है, साथ ही लारनाका के छह समुदायों को भी।

एक पूरक de minimis कार्यक्रम पाफोस में पाँच अतिरिक्त किस्मों और ओमोडोस तथा लिमासोल के अर्ध-पर्वतीय क्षेत्रों में 2,500 स्ट्रेम्मा के एक सघन दाख-बाग क्षेत्र को भी कवर करता है। क्षति की घोषणाएँ सोमवार को बंद हो जाएँगी, और सरकार ने कहा है कि प्रभावित अंगूर-उत्पादकों को वित्तीय सहायता 2026 के अंत से पहले दी जानी चाहिए।

वर्तमान संकट सिर्फ दाख-बागों तक सीमित नहीं है, क्योंकि इससे वाइनरियों के लिए अंगूर की आपूर्ति कड़ी हो सकती है, उत्पादन योजना बाधित हो सकती है, और पूरे वाइन कारोबार में लागत पर दबाव पड़ सकता है। यदि कमजोर फसलें जारी रहीं, तो इसके असर वितरकों, खुदरा विक्रेताओं और स्थानीय वाइन उत्पादन से जुड़ी अन्य पेय कंपनियों तक पहुँच सकते हैं, साथ ही भूमध्यसागरीय दाख-बागों में बार-बार आने वाले जलवायु और रोग संबंधी झटकों के बीच जोखिम प्रबंधन की जरूरत और तेज़ हो सकती है।

उत्पादकों के लिए तात्कालिक समस्या एक और खराब मौसम के बीच टिके रहना है। वाइनरियों के लिए चिंता यह है कि क्या द्वीप कई वर्षों तक कच्चे माल की कमी झेलने के बाद स्थिर उत्पादन बनाए रख पाएगा। यह क्षेत्र अब अल्पकालिक मुआवजे और इस व्यापक सवाल के बीच संतुलन साध रहा है कि साइप्रस एक ऐसे वाइन उद्योग की रक्षा कैसे करे जो आकार और प्रतिष्ठा दोनों में बढ़ा है, लेकिन अब भी चरम मौसम और पौधों की बीमारी के प्रति संवेदनशील है।